

**Молитва святому праведному Иоанну, Кронштадтскому чудотворцу**

О великий угодничеХристов, святый праведныйотче Иоанне Кронштадтский, пастырю дивный, скорый помощниче и милостивый предстателю! Вознося славословие Триединому Богу, ты молитвенно взывал: **«Имя Тебе - Любовь: неотвергни меня, заблуждающагося;**

**Имя Тебе -Сила: укрепи меня, изнемогающего и падающаго;**

**Имя Тебе -Свет: просвети душу мою, омраченную житейскими страстями;**

**Имя Тебе-Мир: умири мятущуюся душу мою;**

**Имя Тебе-Милость: не переставай миловать меня».**

Ныне благодарная твоему предстательству всероссийская паства молится тебе: Христоименитый и праведный угодниче Божий! Любовию твоею озари нас:

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | прот.Алексия | 31 | Димитрия | 61 | Алексия | 91 | Сергия | 121 | Андрея | 152 | Любовь |
| 2 | Никиту  | 32 | Алевтину | 62 | Александра | 92 | Татиану | 122 | Илию | 153 | Марину |
| 3 | Фотинию | 33 | Олега | 63 | Ольгу | 93 | Феодора  | 123 | Алексия  | 154 | Павла |
| 4 | Наталию | 34 | Татиану | 64 | Нину | 94 | Лию  | 124 | Наталию | 155 | Наталию |
| 5 | Максима | 35 | Марию | 65 | Екатерину | 95 | Галину | 125 | Антония | 156 | Александру |
| 6 | Евгению | 36 | Александра | 66 | Людмилу | 96 | Сергия | 126 | Алексия | 157 | Наталию |
| 7 | Наталию | 37 | Ирину | 67 | Ирину | 97 | Татиану | 127 | Михаила | 158 | Татиану |
| 8 | Пелагию | 38 | Марию  | 68 | Галину | 98 | Анну | 128 | Тамару | 159 | Лидию |
| 9 | Нину | 39 | Анну | 69 | Екатерину | 99 | Ольгу | 129 | Марию | 160 | Татиану |
| 10 | Николая | 40 | Павла | 70 | Илию | 100 | Надежду | 130 | Елену | 161 | Александру |
| 11 | Анну | 41 | Ольгу | 71 | Георгия | 101 | Александра | 131 | Валентину | 162 | Иулию |
| 12 | Алевтину | 42 | Илию | 72 | Петра | 102 | Петра | 132 | Татиану | 163 | Виталия |
| 13 | Инну | 43 | Анатолия | 73 | Сергия | 103 | Игоря | 133 | Ирину | 164 | Иулию |
| 14 | Веру | 44 | Мариам | 74 | Екатерину | 104 | Алексия | 134 | Ольгу | 165 | Ольгу |
| 15 | Тамару | 45 | Григория | 75 | Валентину | 105 | Ольгу | 135 | Ирину | 166 | Надежду |
| 16 | Маргариту | 46 | Надежду | 76 | Надежду | 106 | Максима | 136 | Наталию | 167 | Иулию |
| 17 | Марину | 47 | Фотинию | 77 | Екатерину | 107 | Алексия | 137 | Наталию | 168 | Сергия |
| 18 | Сергия | 48 | Андрея | 78 | Татиану | 108 | Веру | 138 | Наталию | 169 | Георгия |
| 19 | Ларису | 49 | Льва | 79 | Давида | 109 | Татиану | 139 | Владимира | 170 | Людмилу |
| 20 | Ольгу | 50 | Максима | 80 | Иулию | 110 | Марину | 140 | Веру | 171 | Веронику |
| 21 | Романа | 51 | Татиану | 81 | Андрея | 111 | Анну | 141 | Татиану | 172 | Игоря |
| 22 | Анну | 52 | Анастасию | 82 | Анну | 112 | Зинаиду | 142 | Ольгу | 173 | Маргариту |
| 23 | Марию | 53 | Сергия | 83 | Нину  | 113 | Валентину | 143 | Инну | 174 | Олега |
| 24 | Татиану | 54 | Наталию | 84 | Иулию | 114 | Елену | 144 | Максима | 175 | Иоанна |
| 25 | Анну | 55 | Ольгу | 85 | Ольгу | 115 | Ларису | 145 | Елену | 176 | Георгия |
| 26 | Татиану | 56 | Олега | 86 | Галину | 116 | Анастасию | 146 | Наталию | 177 | Наталии |
| 27 | Марину | 57 | Василия | 87 | Лидию | 117 | Нину | 147 | Елизавету | 178 | Фотинии |
| 28 | Вадима | 58 | Андрея | 88 | Екатерину | 118 | Евгения | 148 | Валентину | 179 | Иоанна |
| 29 | Марию | 59 | Людмилу | 89 | Виктора  | 119 | Георгия | 149 | Валентину | 180 | Николая |
| 30 | Димитрия | 60 | Елену | 90 | Марию | 120 | Михаила | 150 | Евгению | 181 | Ирины |

грешных и немощных, сподоби нас принести достойные плоды покаяния и неосужденно причащатися Святых Христовых Тайн. Силою твоею веру в нас укрепи, в молитве поддержи, недуги и болезни исцели, от напастей, врагов видимых и невидимых избави. Светом лика твоего служителей и предстоятелей алтаря Христова на святые подвиги пастырского делания подвигни, младенцем воспитание даруй, юные настави, старость поддержи, святыни Храмов и святые обители озари! Умири, чудотворче и провидче преизряднейший, народы страны нашея, благодатию и даром Святаго Духа избави от междоусобныя брани, расточенныя собери, прельщенныя обрати и совокупи Святей Соборней и Апостольстей Церкви. Милостию твоею супружество в мире и единомыслии соблюди, монашествующим в делах благих преуспеяние и благословение даруй, малодушныя утеши, страждущих от духов нечистых свободи, в нуждах и обстояниях сущих помилуй и всех на путь спасения настави. Во Христе живый, отче наш Иоанне, приведи нас к Невечернему Свету жизни вечныя, да сподобимся с тобою вечнаго блаженства, хваляще и превозносяще Бога во веки веков. Аминь